

2 अक्टूबर 2026, शुक्रवार | मूल्य ₹10

बाल भास्कर



हमारे
वायु-योद्धा

पेज 04-05

समय है
अनमोल

पेज- 32

कहानी
पोस्टकार्ड की

पेज 38-39

हेलो दोस्तो ! “त्योहार हमें जीवन की नीरसता से मुक्ति दिलाकर प्रेम और भाईचारा सिखाते हैं।” शुरू हो चुका है त्योहारों का मौसम। सचमुच त्योहार हमारे जीवन में उमंग, उत्साह और खुशियां लेकर आते हैं। इनका भरपूर आनंद लें और अपनी पढ़ाई अच्छी तरह जारी रखें। अब नजर डालते हैं आज के इस अंक पर- इसमें हैं ज्ञानवर्धक कहानियां, मनोरंजक लेख, मजेदार एक्टिविटीज, जनरल नॉलेज और प्रतियोगिताएं भी, तो इनमें भाग लेकर बन जाइए विनर। मिलते हैं एक और नए अंक के साथ...

तब तक पढ़ते रहिए बाल भास्कर।

आपकी दीदी

दैनिक भास्कर
समूह

7-14 साल के बच्चों के लिए

बाल भास्कर



bal bhaskar



कैनवास
विनर

प्रिशा सेठिया

नागदा (म.प्र.)

आप अपनी एन्टीज हमें वाट्सएप
कर सकते हैं।

814 186 6633



टीम
बाल भास्कर

- सम्पादकीय
इंदिरा त्रिवेदी
सोनाली राय
- चीफ डिजाइनर
मोहम्मद ताज सुलेमान
- चित्रांकन
संजीव मोइत्रा

क्या है
कहां

पेज 07

जोकस

पेज 32

प्रेरक प्रसंग

पेज 10

कॉमिक्स

पेज 35

टेक्नोलॉजी

पेज 20

करंट अफेयर्स

पेज 38

आर्टिकल

गांधी

-डॉ. अरविंद प्रेमचंद
ग्वालियर (म.प्र.)

आज जयंती मना रहे हम
महाप्राण बापू की...
सत्य, अहिंसा, दया, प्रेम के
इक सुंदर टापू की।

मोहनदास करमचंद गांधी
था जिसका शुभ नाम,
अंत सांस तक मुख में मंडित
मर्यादा के राम।

मिली देश को आजादी भी
जिनके अथक प्रयासों से,
मुक्त किया भारतमाता को
अनशन व उपवासों से।

‘मैन ऑफ दि मिलेनियम’ का
पाया बड़ा खिताब,
गांधीजी थे आदर्शों की
सचमुच खुली किताब।।

मेरी
चिट्ठी

मैं करीब 10 सालों से बाल भास्कर का नियमित पाठक हूँ। मेरे दोनों बच्चों ने इसकी हर प्रतियोगिता में भाग लिया और कई प्राइज जीते। अब वे 12वीं के साथ आगे की पढ़ाई कर रहे हैं, पर मैं बाल भास्कर रेगुलर पढ़ रहा हूँ। अब अपने भांजे, भतीजों को पढ़ने के लिए देता हूँ और उन्हें इसकी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। बाल भास्कर बच्चों की पत्रिका ना होकर सभी उम्र के लोगों की पत्रिका है। इसमें बहुत जानकारी मिलती है।

-अवधेश मंगल, मुरैना (म.प्र.)



कितने अच्छे आर्किटेक्ट हैं आप!

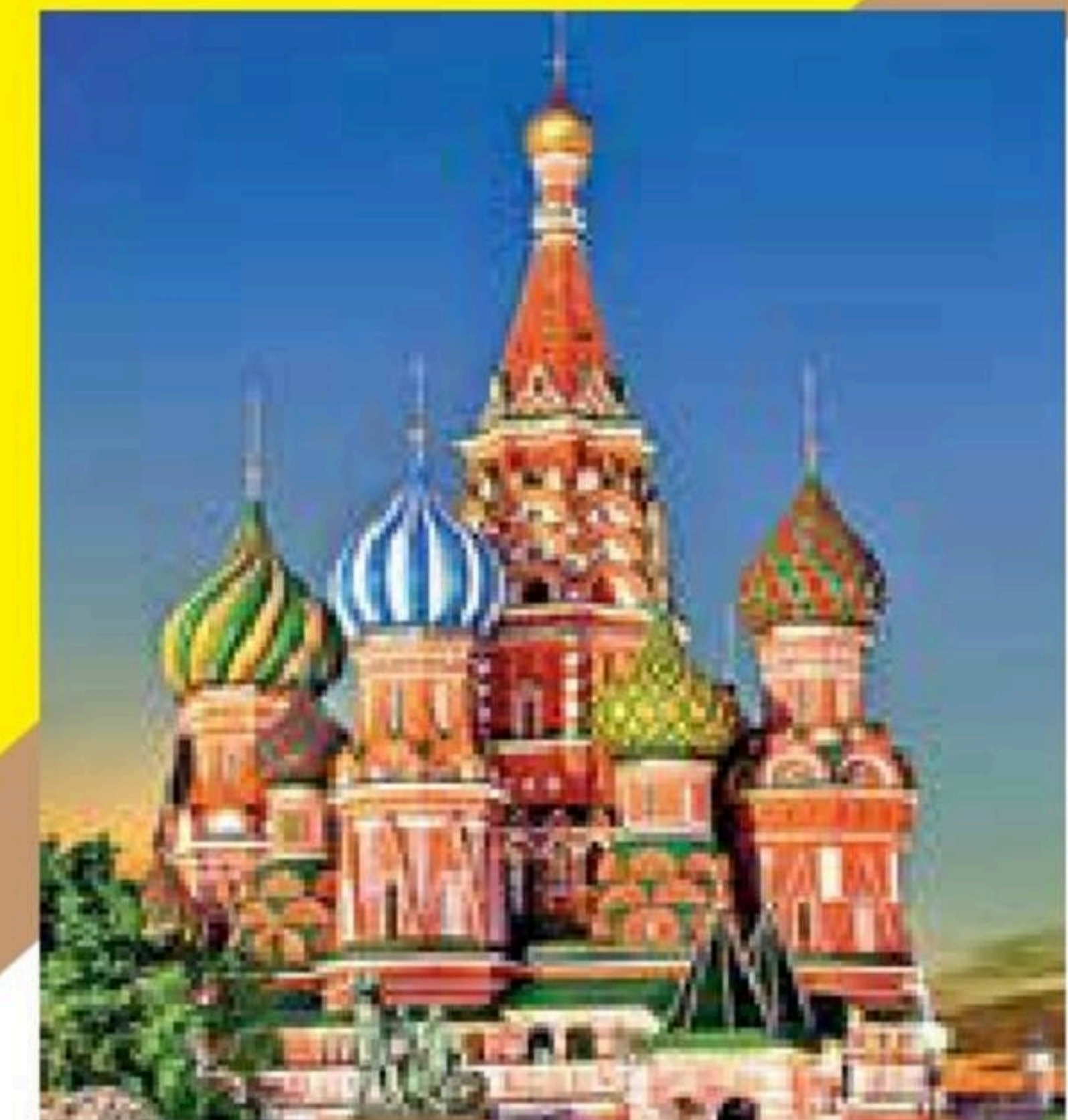
‘वर्ल्ड आर्किटेक्चर डे’ अक्टूबर के पहले सोमवार को मनाया जाता है। इस मौके पर पहचानिए इन अनोखी बिल्डिंग्स को। बॉक्स में से सही नाम चुनकर लिखिए-



1



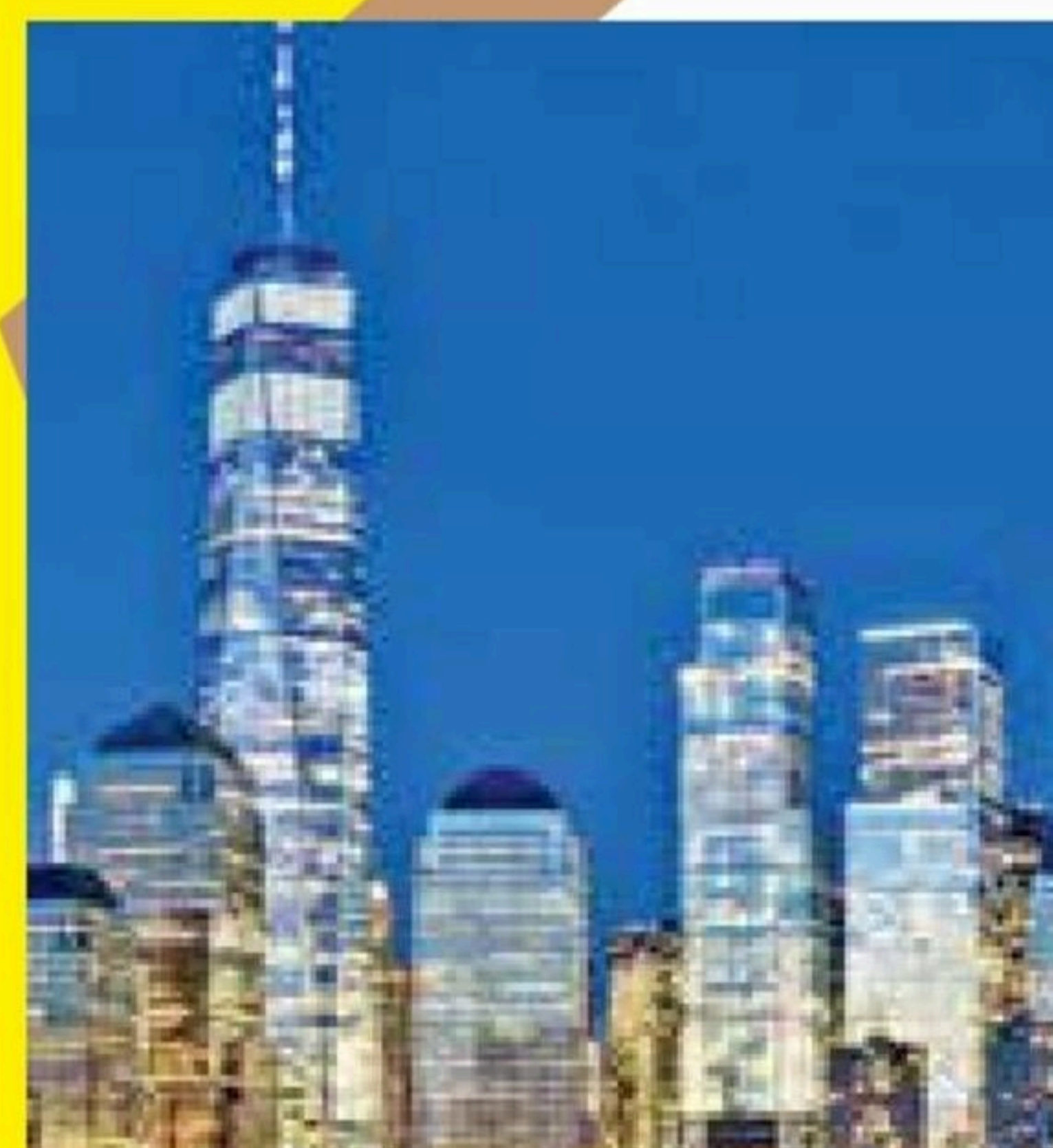
4



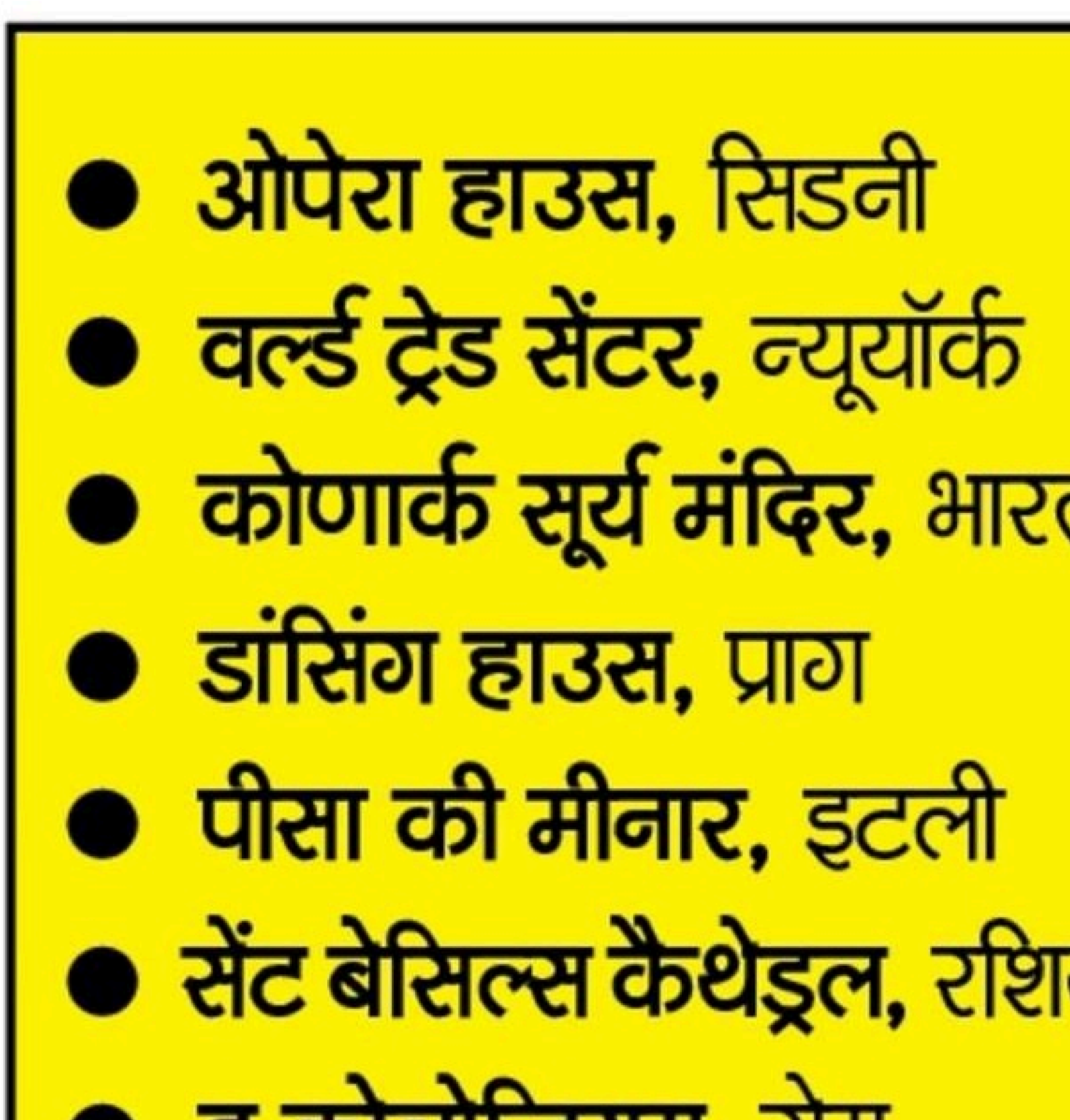
7



2



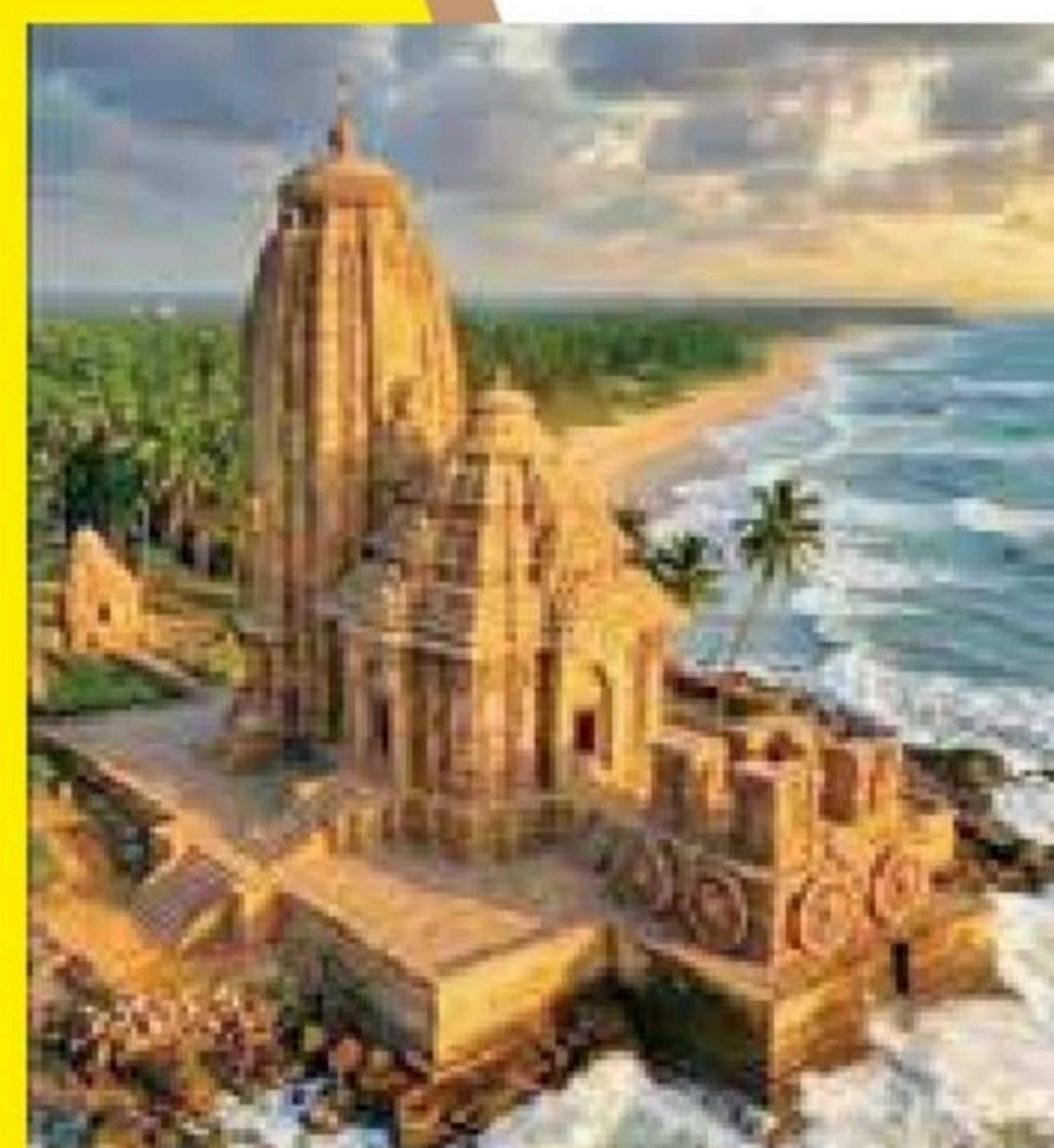
5



- ओपेरा हाउस, सिडनी
- वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, न्यूयॉर्क
- कोणार्क सूर्य मंदिर, भारत
- डांसिंग हाउस, प्राग
- पीसा की मीनार, इटली
- सेंट बेसिल्स कैथेड्रल, रशिया
- द कोलोजियम, रोम



3



6



उत्तर - पेज 34 पर

कवर
स्टोरीएयरफोर्स-डे
8 अक्टूबर

हमारे वायु-योद्धा



देश में बाढ़ और आपदाओं के समय हमारी वायु सेना महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह कैसे हमारी मदद करती है, आइए जानते हैं-



देश में जब भी कोई प्राकृतिक आपदा आती है, चाहे भूस्खलन (Landslide) हो, भीषण बाढ़ हो या फिर भयंकर तूफान। तब आसमान से उम्मीद की एक किरण दिखाई देती है। गड़गड़ाते हेलीकॉप्टर और गरजते विमानों की आवाज सुनते ही पीड़ितों के चेहरों पर राहत की मुस्कान आ जाती है। यह आवाज होती है भारतीय वायु सेना (IAF) की, जो न केवल देश की सीमाओं की रक्षा करती है, बल्कि संकट के समय देशवासियों के लिए 'देवदूत' बनकर सामने आती है।

आसमान से जीवन की रक्षा

भारतीय वायु सेना युद्ध के अलावा आपदा प्रबंधन (Disaster Management) में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसे HADR (मानवीय सहायता और आपदा राहत) ऑपरेशन कहते हैं।

बाढ़ के समय खाना और पानी पहुंचाना

जब गांव के गांव पानी में डूब जाते हैं और रास्ते बंद हो जाते हैं।

तब वायु सेना के हेलीकॉप्टर पीड़ितों तक राशन, पीने का पानी, दवाइयां और तिरपाल (Shelter Sheets) एयरड्रॉप करते (आसमान से नीचे गिराते) हैं।

एयरलिफ्ट और रेस्क्यू: पानी से घिरे मकानों की छतों या पेड़ों पर फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाता है।



कौन-कौन से विमान बनते हैं रक्षक?

वायु सेना राहत कार्यों में अपने सबसे आधुनिक और शक्तिशाली विमानों का उपयोग करती है, जैसे-



एमआई-17V5 और चेतक/चीता हेलीकॉप्टर: यह दुर्गम से दुर्गम इलाकों, संकरी पहाड़ियों और पानी से घिरे छोटे स्थानों पर उतरकर लोगों को रेस्क्यू करने में माहिर हैं।



सी-130जे सुपर हरक्यूलिस और सी-17 ग्लोबमास्टर: ये विशालकाय परिवहन विमान आपदा वाले क्षेत्रों में भारी राहत सामग्री, एनडीआरएफ (NDRF) की टीमों, मेडिकल स्टाफ, मोबाइल अस्पताल और बचाव नावों (Motorboats) को एक शहर से दूसरे शहर तुरंत पहुंचाने का काम करते हैं।

साहसिक मिसालें

केदारनाथ त्रासदी (2013 - ऑपरेशन राहत): भारतीय वायु सेना ने इतिहास का सबसे बड़ा असैन्य रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया था, जिसमें लगभग 20,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया था।



**अनुशासन,
साहस और
मानवीय
संवेदना**



केरलम और असम की बाढ़: हाल ही में जब पूरा राज्य जलमग्न था, तब वायु सेना के जांबाजों ने दिन-रात एक करके सैकड़ों मासूम बच्चों, बुजुर्गों व महिलाओं की जान बचाई।

कोविड-19 महामारी: आपदा केवल बाढ़ तक सीमित नहीं थी। महामारी के दौरान वायु सेना ने विदेशों और देश के कोने-कोने से ऑक्सीजन टैंकर, कंसंट्रेटर और टीके (Vaccines) पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य किया था।

वायु सेना के पायलट और गरुड़ कमांडो केवल अपनी इयूटी ही नहीं निभाते, बल्कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की रक्षा करते हैं।

कई बार खराब मौसम, घने कोहरे व तेज हवाओं के बावजूद वे उड़ान भरते हैं। उनका एक ही लक्ष्य होता है- “कोई भी पीछे न छूटे।”